राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने यू॰एम॰आई॰एस॰ के कार्यान्वयन की समीक्षा का आदेश दिया

पटना, 03 मई 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने राज्य के विश्वविद्यालयों में इस वर्ष के शैक्षणिक सत्र से 'University Management Information System-UMIS' के कार्यान्वयन की तैयारियों तथा विश्वविद्यालयों में पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी निधि की व्यय–स्थिति की समीक्षा करने का निदेश राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारियों को दिया है।

महामहिम राज्यपाल के निदेशानुरूप आगामी 08 मई, 2019 को यू॰एम॰आई॰एस॰ के कार्यान्वयन की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाई गई है, जिसमें सभी विश्वविद्यालयों के नोडल पदाधिकारी (UMIS) एवं निबन्धीकृत कार्यकारी एजेन्सियों के वेन्डर भी शामिल होंगे।

ज्ञातव्य है कि राज्य के विश्वविद्यालयों में यू॰एम॰आई॰एस॰ के कार्यान्वयन हेतु राज्य सरकार द्वारा सभी विश्वविद्यालयों को प्रारंभिक तौर पर 10–10 लाख रूपये का आबंटन उपलब्ध कराया जा चुका है।

महामहिम राज्यपाल ने राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा विशेष रूप से उपलब्ध करायी गई निधि से योजना–कार्यान्वयन के उपरांत 'उपयोगिता प्रमाण–पत्र' शीघ्र भेजने हेतु भी सभी विश्वविद्यालयों को निदेशित किया है। ज्ञातव्य है कि राज्य के सभी 224 अंगीभूत कॉलेजों को राजभवन की विशेष पहल पर राज्य सरकार ने भौतिकी, रसायनशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, जन्तु विज्ञान एवं भूगर्भशास्त्र विषयों की प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु प्रति विषय एक लाख रूपये की दर से कुल 13.56 करोड़ रूपये का आबंटन उपलब्ध कराया है।

इसी तरह पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा प्रति विश्वविद्यालय 5 लाख रूपये तथा प्रति अंगीभूत महाविद्यालय 2 लाख रूपये की दर से उपलब्ध कराई गई कुल 5.85 करोड़ रूपये की आबंटन राशि के सदुपयोग संबंधी प्रमाण–पत्र भी शीघ्र शिक्षा विभाग को उपलब्ध कराने का निदेश सभी विश्वविद्यालयों को दिया गया है।

महामहिम राज्यपाल ने कहा है कि विश्वविद्यालयों के डिजीटलीकरण प्रक्रिया को हर हालत में तेजी से पूरा किया जाना चाहिए ताकि विश्वविद्यालय की गतिविधियों एवं सेवाओं में पूरी पारदर्शिता एवं ईमानदारी आ सके। उन्होंने शोध एवं अनुसंधान कार्यों में गुणवत्ता–विकास के लिए प्रयोगशालाओं एवं पुस्तकालयों के सुदृढ़ीकरण पर भी जोर दिया है।

.....